Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

बहुविकल्पी प्रश्न

1. **भारत में सहकारी तंत्र में संचालित शक्कर कारखाना कहाँ स्थित हैं?**
   (अ) भूपाल सागर में (ब) श्री गंगानगर में
   (स) उदयपुर में (द) केशोरायपाटन में

2. **निम्नलिखित में से किस शहर में मोटरगाड़ी उद्योग का केंद्र स्थित है?**
   (अ) गुड़गाँव (ब) ये सभी
   (स) मुंबई (द) दिल्ली

3. **मोनाजाइट रेत में निम्नलिखित में से कौन-सा खनिज पाया जाता है-**
   (अ) थोरियम (ब) यूरेनियम
   (स) खनिज तेल (द) कोयला

4. **भारत में सर्वाधिक मात्रा में मिलने वाला लौह अयस्क कौन-सा है?**
   (अ) लिमोनाइट (ब) सीडेराइट
   (स) मैग्नेटाइट (द) हेमेटाइट

5. **भारत के किस राज्य में दो सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क हैं?**
   (अ) दिल्ली (ब) महाराष्ट्र
   (स) उड़ीसा (द) केरल

6. **निम्नलिखित में से कौन-सा खनिज आधारित उद्योग है—**
   (अ) सीमेण्ट (ब) सूती वस्त्र
   (स) चीनी (द) जूट का सामान

7. **वह कौन-सा अयस्क है जो मुख्य खनिज और औद्योगिक विकास की रीढ़ है?**
   (अ) लौह-अयस्क (ब) बॉक्साइड
   (स) ताँबा अयस्क (द) इनमें से कोई नहीं

8. **मुम्बई-हाई प्रसिद्ध है—**
   (अ) इनमें से कोई नहीं (ब) फिल्म-सिटी के लिए
   (स) तेल-शोधक कारखानों के लिए (द) गेट-वे ऑफ इण्डिया के लिए

9. **इनमें से किस चट्टान के स्तरों में खनिजों का निक्षेपण और संचयन होता है?**
   (अ) ये सभी (ब) तलछटी चट्टानें
   (स) कायांतरित चट्टानें (द) आग्नेय चट्टानें

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. भारत में प्रथम जल-विद्युत केंद्र की स्थापना किस वर्ष में हुई थी?

(अ) 1820 ई. में (ब) 1897 ई. में

(स) 1880 ई. में (द) 1890 ई. में

रिक्त स्थान :

11. बड़ी मात्रा में हीरा भारत में _____ स्थान से निकाला जाता है।

12. झरिया _____ के लिए प्रसिद्ध है।

सत्य / असत्य

13. चूना पत्थर ऊर्जा खनिज है।

14. सौर ऊर्जा गैर-परम्परागत ऊर्जा स्रोत है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. भारत में ताँबा किन राज्यों में पाया जाता है?

16. ऊर्जा के तीन गैर-परंपरागत स्रोतों के नाम लिखिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. ऊर्जा के परम्परागत स्रोत किसे कहते हैं? भारत में खनिज तेल के दो क्षेत्रों के नाम लिखिए।

18. खनिज क्या हैं?

निबंधात्मक प्रश्न

19. भारत में लौह-अयस्क के उत्पादन एवं वितरण का वर्णन कीजिए।

20. मैंगनीज का उपयोग कहाँ किया जाता है?

HOTS

21. हमें खनिजों के संरक्षण की आवश्यकता क्यों है? इसके संरक्षण के उपाय बताइए?

मिशन ज्ञान
जहाँ चाहें, जब चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan

1. (द) सहकारी तंत्र में संचालित शक्कर कारखाना केशोरायपाटन में स्थित हैं। केशोरायपाटन राजस्थान में स्थित हैं।
2. (ब) भारत में मोटरगाड़ी उद्योग का केंद्र गुड़गाँव, दिल्ली, मुंबई में स्थित है। जो विभिन्न उद्योगों को आपस में जोड़ते हैं। भारत में वाहन उद्योग की शुरुआत 1940 के दशक में हुई थी।
3. (अ) थोरियम।
4. (द) भारत में पाया जाने वाला अधिकांश लौह अयस्क हेमेटाइट प्रकार का है।
5. (ब) महाराष्ट्र राज्य में दो सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क है। सरकार द्वारा सॉफ्टवेयर उद्योग के विकास में आने वाली बाधाओं के कारणों की भी पहचान करने के परिणामस्वरूप सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क' स्कीम तैयार की गई।
6. (अ) सीमेण्ट।
7. (अ) लौह अयस्क औद्योगिक विकास की रीढ़ है।
8. (स) तेल-शोधक कारखानों के लिए।
9. (स) कायांतरित चट्टानें के स्तरों में खनिजों का निक्षेपण और संचयन होता है।
10. (ब) भारत में प्रथम जल-विद्युत केंद्र की स्थापना 1897 ई० में दार्जलिंग में की गई, जहां पहली बार 130 किलोमीटर क्षमता का पहला जल विद्युत गृह बनाया गया।
11. **रिक्त स्थान :** पन्ना (मध्यप्रदेश)
12. **रिक्त स्थान :** कोयला के लिए
13. **सत्य / असत्य :** असत्य
14. **सत्य / असत्य :** सत्य
15. i. राजस्थान ii. मध्य प्रदेश
    iii. आंध्र प्रदेश iv. कर्नाटक
    v. महाराष्ट्र
16. गैर परंपरागत ऊर्जा के स्रोतः सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा, बायोगैस और परमाणु ऊर्जा।
17. ऊर्जा के परम्परागत स्रोत ऊर्जा के परम्परागत स्रोत से आशय उन संसाधनों से है जिनका उपयोग प्राचीनकाल से मनुष्य करता आ रहा है तथा जो सीमित तथा समाप्तप्राय (जलविद्युत को छोड़कर) है। उदाहरण- कोयला, पेट्रोलियम, विद्युत, प्राकृतिक गैस।
    भारत में खनिज तेल के क्षेत्र- भारत में खनिज तेल के दो क्षेत्रों के नाम हैं —
    i. अंकलेश्वर (गुजरात) तथा
    ii. असम
18. खनिज प्राकृतिक रूप से विद्यमान एक समरूप तत्त्व है जिसकी एक निश्चित आन्तरिक संरचना है। खनिज प्रकृति में अनेक रूपों में पाए जाते हैं; जिनमें कठोर हीरा व कोमल चूना तक सम्मिलित होता है। किसी विशेष खनिज का निर्माण उस समय की भौतिक व रासायनिक परिस्थितियों के अनुसार होता है। इसी के परिणामस्वरूप खनिजों में विविध रंग, कठोरता, चमक, घनत्व तथा विविध क्रिस्टल पाए जाते हैं।
19. भारत में लौह अयस्क विशाल मात्रा में उपलब्ध है। मैग्नेटाइट सर्वोत्तम लौह अयस्क है। इसमें लगभग 70 प्रतिशत लोहांश पाया जाता है। इस अयस्क में सर्वश्रेष्ठ चुम्बकीय गुण विद्यमान होते हैं जो विद्युत उद्योगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी होते हैं। हेमेटाइट, उद्योगों की दृष्टि से सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण लौह-अयस्क है। इसका अधिकाधिक मात्रा में उपभोग हुआ है। इस अयस्क में लोहांश की मात्रा 50 से 60 प्रतिशत तक पायी जाती है। वर्ष 2023-24 में लौह-अयस्क का उत्पादन लगभग 160 लाख टन रहा।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें जहाँ चाहें जैसे चाहें
100% FREE!
Video Courses | Quiz | PDF | Test Series
Download Mission Gyan App

भारत में लौह अयस्क की निम्नलिखित पेटियाँ (क्षेत्र) पायी जाती हैं —

i. **ओडिशा-झारखण्ड पेटी-** ओडिशा में उच्चकोटि का हेमेटाइट किस्म का लौह अयस्क मयूरभंज व केन्दूझर जिलों में बादाम पहाड़ की खदानों से निकाला जाता है। झारखण्ड राज्य के सिंहभूम जिले में गुआ एवं नोआमुण्डी से हेमेटाइट अयस्क प्राप्त किया जाता है।

ii. **दुर्ग-बस्तर-चन्द्रपुर पेटी-** लौह अयस्क की यह पेटी महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ में फैली हुई है। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में बेलाडिला पहाड़ी श्रृंखलाओं से उत्तम किस्म का हेमेटाइट लौह अयस्क प्राप्त होता है। यहाँ लौह अयस्क के 14 जमाव मिलते हैं। इन खदानों से लौह अयस्क विशाखापट्टनम बन्दरगाह से जापान व दक्षिण कोरिया को निर्यात किया जाता है।

iii. **बल्लारि-चित्रदुर्ग, चिक्कमंगलुरु-तुमकूरु पेटी-** कर्नाटक की इस पेटी में लौह अयस्क अत्यधिक मात्रा में पाए जाते हैं। कर्नाटक में पश्चिमी घाट में स्थित कुद्रेमुख की अयस्क खानों से प्राप्त सम्पूर्ण अयस्क निर्यात कर दिया जाता है। कुद्रेमुख निक्षेप (अयस्क भण्डार) विश्व में सबसे बड़े निक्षेपों में से एक माने गए हैं। यहाँ के लौह अयस्क कर्दम (खनिजों का तरल रूप) के रूप में पाइप लाइन द्वारा मंगलुरु के पास एक पत्तन पर भेजा जाता है।

iv. **महाराष्ट्र-गोवा पेटी-** यह पेटी गोवा और महाराष्ट्र के रत्नागिरि जिले में स्थित है। इस पेटी का लौह अयस्क उत्तम प्रकार का नहीं है फिर भी इसका खनन कुशलतापूर्वक किया जा रहा है। मार्मागाओ पत्तन से इसका निर्यात किया जाता है।

20. मैंगनीज एक महत्वपूर्ण धातु है जिसका उपयोग इस्पात उद्योग में व्यापक रूप से किया जाता है। इस्पात के निर्माण में मैंगनीज का प्रमुख योगदान इसकी मजबूती और स्थायित्व बढ़ाने में है। एक टन इस्पात बनाने के लिए लगभग 10 किलोग्राम मैंगनीज की आवश्यकता होती है। इस्पात के साथ मिश्रित होकर मैंगनीज इसे जंगरोधी और टिकाऊ बनाता है, जिससे इसकी गुणवत्ता में सुधार होता है।

इसके अलावा, मैंगनीज का उपयोग कई अन्य उद्योगों में भी होता है। यह कीटनाशक दवाओं के निर्माण में एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में काम आता है, जो कृषि में फसलों की सुरक्षा के लिए उपयोगी होते हैं। पेंट उद्योग में भी इसका उपयोग विभिन्न प्रकार के पेंट और रंजक तैयार करने के लिए किया जाता है। ब्लीचिंग पाउडर, जो कपड़ों और अन्य वस्त्रों को सफेद करने के लिए उपयोग किया जाता है, उसमें भी मैंगनीज की भूमिका होती है।

भारत में, ओडिशा राज्य मैंगनीज का सबसे बड़ा उत्पादक है। ओडिशा के खनिज संसाधनों में मैंगनीज का विशेष स्थान है, जो देश की इस्पात और अन्य उद्योगों की जरूरतों को पूरा करता है।

21.

1. खनिज हमारे उद्योग और कृषि के आधार हैं।
2. नवीकरण योग्य नहीं है।
3. निक्षेपों की कुल मात्रा बहुत ही कम है।
4. इनके निर्माण में लाखों वर्ष लग जाते हैं।

खनिज संरक्षण के लिए निम्न उपाय किए जाने आवश्यक हैं —

1. **नए खनिजों का पता लगाना:** विश्व के कई विस्तृत क्षेत्रों में अभी भी खनिजों के अन्वेषण का कार्य पूरा नहीं हो पाया है, जैसे ध्रुवीय प्रदेशों में, समुद्री तली में, पर्वतीय क्षेत्रों पर। इसलिए इन क्षेत्रों में खनिज का पता लगाकर उन निक्षेपों से उत्पादन किया जाना चाहिए।
2. **खनिजों का बहुउद्देश्यीय प्रयोग:** खनिजों का बहुउद्देशीय प्रयोग किया जाना चाहिए ताकि उन खनिजों से अधिकतम उपयोगिता प्राप्त की जा सके। इस हेतु खनिजों का विभिन्न कार्यों के लिए उपयोग किया जाना आवश्यक है।
3. **सुरक्षित भण्डार गृहों का निर्माण:** खनिजों का खनन करने के पश्चात् उनको खुले स्थानों पर नहीं छोडना चाहिए इससे उनके मौलिक गुण समाप्त हो जाते हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSE | QUIZ | PDF | TESTSERIES
Download Mission Gyan App